बीएमसी में गृह निर्माण के लिए 600 से अधिक आवेदन लंबित

लोग परेशान, आर्किटेक्ट और बीएमसी एक दूसरे पर फोड़ रहे ठीकरा

भुवनेश्वर, (निप्र) : बीएमसी में अब एक अजीब स्थिति पैदा हो गई है। घर की योजना की मंजूरी के लिए 600 से अधिक आवेदन बीएमसी के पास एक साल से अधिक समय से लंबित हैं, जबकि याचिकाकर्ताओं का मानना है कि यह बीएमसी की गलती के कारण है, लेकिन वास्तव में यह आर्किटेक्ट की लापरवाही के कारण ऐसा हो रहा है। बीएमसी ने आवेदन को मंजूरी देने के लिए आर्किटेक्ट से कई जरूरी दस्तावेज और निर्धारित फीस मांगी है, लेकिन संबंधित आर्किटेक्ट सुन नहीं रहा है। इसलिए, बीएमसी ने अंतिम निर्णय लिया है कि यदि आर्किटेक्ट 14 जून तक उचित जवाब या मांगे गए दस्तावेज जमा नहीं करता है, तो 600 से अधिक आवेदन खारिज कर दिए जाएंगे। बीएमसी ने 140 से अधिक आर्किटेक्ट को निर्धारित अवधि के भीतर अपने कागजात जमा करने के लिए नोटिस भी जारी किया है।

2015 से घरों के निर्माण की योजनाओं को मंजूरी देने की शक्ति बीडीए से बीएमसी को हस्तांतरित कर दी गई है। कभी पोर्टल पर काम नहीं करने तो कभी शिक्षत दिए बिना फाइलें आगे नहीं बढ़ाने के आरोपों से बीएमसी बदनाम हुई है, लेकिन अब बड़ी अजीब स्थिति पैदा हो गई है। आर्किटेक्ट घर बनाने की योजना बनाते हैं। योजना को बीएमसी द्वारा विभिन्न शर्तों के आधार पर मंजूरी दी जाती है।

योजनाएं तैयार करने के लिए 150 से अधिक आर्किटेक्ट बीएमसी के तहत पंजीकृत हैं। गृहस्वामी इन पंजीकृत वास्तुकारों के माध्यम से योजनाओं के लिए आवेदन करते हैं। सरकार ने शहरी निवासियों के लिए गृह निर्माण की मंजूरी के लिए 'सुशोन' पोर्टल खोला है। यदि आवश्यक कागजात और सरकारी शुल्क आर्किटेक्ट के माध्यम से इस पोर्टल पर ऑनलाइन जमा किए जाते हैं तो बीएमसी इमारतों के निर्माण की योजना को मंजूरी देती है। यदि आवेदन में कोई कमी रह जाती है तो बीएमसी द्वारा ये कागजात भी इसी पोर्टल के माध्यम से मांगे जाते हैं। यदि आवेदनकर्ता आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन या इस पोर्टल के माध्यम से अपलोड कर देता है तो बीएमसी आवेदन पर विचार करती है। लेकिन देखा गया है कि जनवरी 2022 से अक्टूबर 2023 के बीच प्राप्त 606 आवेदन लंबित हैं। लगभग एक साल तक आवेदक के इंतजार के बाद पता चला कि बीएमसी ने आर्किटेक्ट से अनुपालन के लिए कहा था, लेकिन कोई जवाब या दस्तावेज जमा नहीं किए जाने के कारण योजना को मंजूरी नहीं दी गई। ऐसी कई शिकायतें आने के बाद जांच पड़ताल हुई। इन 606 याचिकाओं के मिलने के बाद बीएमसी ने अंतिम फैसला लिया। बीएमसी ने सूचित किया है कि यदि अगले 14 जून तक आवश्यक दस्तावेज जमा नहीं किए गए तो आवेदन खारिज कर दिया जाएगा।

इस नोटिस के मिलने के बाद आवेदक या घर पाने की चाहत रखने वाले व्यक्ति निराश हो गए हैं। इस में समीर पटेल (आर्किटेक्ट) के पास सर्वाधिक 70 आवेदन हैं जबकि अन्य आर्किटेक्ट के पास 10 से 20 आवेदन हैं। एक आर्किटेक्ट का कहना है, बीएमसी अजीब शर्तें बना रही है। कहीं एंबेडिक रोड एविडेंस की मांग और कहीं ऐसी अथॉरिटी से एनओसी मांग रहा है, जिसे पाने के लिए दौड़-दौड़ कर चप्पल घिस जाते हैं, लेकिन एनओसी नहीं मिलता है। इसके अलावा हम सिर्फ डिजाइन बना रहे हैं, लेकिन लोग सोचते हैं कि हम सभी अनुमतियां दिला देंगे। इसलिए देरी हो रही है। घर योजना अनुमोदन प्रक्रिया में इस देरी के कारण, कई लोग बिना मंजूरी के घर बनाने के लिए मजबूर हैं और फिर कार्रवाई के लगातार डर में रहते हैं। इसके साथ ही कुछ लोग इसकी अराजक स्थिति का फायदा उठा रहे हैं। बीएमसी का कहना है कि सरकार सुशोग ऐप के जरिए 48 घंटे के भीतर आवास योजनाओं को मंजूरी देकर पारदर्शिता बनाए रखना चाहती है। आवेदक आर्किटेक्ट पर निर्भर रहते हैं, लेकिन देर होने से बीएमसी बदनाम है। यदि अधिसूचित आर्किटेक्टों से निर्धारित समय के भीतर उचित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाते हैं तो आवेदन अस्वीकार कर दिया जाएगा।

सिक्योरिटी गार्ड पर हमला करने के आरोप में एक गिरफ्तार

भुवनेश्वर, (निप्र) : होटल के अंदर जाने के लिए मना करने पर होटल के सिक्योरिटी गार्ड पर हमला करने के मामले में मैत्रीविहार पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सालिआसाही के सरोज कुमार साहू के रूप में हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक घायल चंद्रकांत महापात्र भुवनेश्वर स्थित एक होटल में सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करने के साथ बैरक में रहता था। मंगलवार को चंद्रकांत जब बैरक में था, तभी शिकायतकर्ता और उसके कुछ साथी वहां आए और बैरक में घुसने की कोशिश करने लगे। चंद्रकांत के इसका विरोध करने पर आरोपियों ने उस पर लकड़ी और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। शोर सुनकर अन्य सिक्योरिटी गार्ड के आ जाने पर सभी वहां से भाग गए। इसके बाद घायल चंद्रकांत को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। वहां से आने पर उन्होंने इस संबंध में थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच कर पुलिस ने आरोपी सरोज को गिरफ्तार कर लिया। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

राजधानी के यूनिट-3 स्थित पत्रकार भवन में वरिष्ठ कलाकार स्व. विजय पटनायक स्मृति सभा में उपस्थित ओडिशा नाट्य संघ के सदस्य।

रेलवे में आधुनिकी कार्य के कारण रेल सेवा होगी प्रभावित

भुवनेश्वर, (निप्र) : पूर्व तट रेलवे में सुरक्षा संबंधी आधुनिकीकरण कार्य और ढेंकानाल स्टेशन पर ढेंकानाल और सदाशिवपुर रेलवे स्टेशनों के बीच तीसरी और चौथी लाइन की कमीशनिंग, संबलपुर-झारसुगुड़ा रेलवे सेक्शन में सरला स्टेशन पर मालगाड़ी जांच लाइन की कमीशनिंग, संबलपुर और वाल्टेयर रेलवे डिवीजन पर पुल पुनर्निर्माण कार्य के कारण कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित होगा, जिसके परिणामस्वरूप कुछ ट्रेनों को जहां रद्द कर दिया गया है वहीं कुछ के समय में बदलाव किया गया है। यह जानकारी पूर्व तट रेलवे की ओर से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई है।

विज्ञप्ति के अनुसार, 18125/18126 राउरकेला-पुरी-राउरकेला एक्सप्रेस 30 मई 2024 से 14 जून 2024 के बीच राउरकेला से और 31 मई 2024 से 15 जून 2024 के बीच पुरी से रद्द रहेगी। 08414/08413 पुरी-तालचेर-पुरी पैसेंजर स्पेशल 30 मई से 5 जून 2024 के बीच पुरी से तथा 31 मई से 6 जून 2024 के बीच तालचेर से रद्द रहेगी। 07471/07470 पलासा-विशाखापट्टनम-पलासा पैसेंजर स्पेशल 31.05.2024 को दोनों दिशाओं से रद्द रहेगी। 08169/08170 और 08171/08172 झारसुगुड़ा-संबलपुर-झारसुगुड़ा पैसेंजर स्पेशल ट्रेनें 7 जून से 14 जून 2024 तक दोनों दिशाओं से रद्द रहेंगी। 08264/08263 बिलासपुर-टिटिलागढ़-बिलासपुर पैसेंजर स्पेशल 7 से 14 जून 2024 के बीच बिलासपुर से और 8 से 15 जून 2024 के बीच टिटिलागढ़ से रद्द रहेगी। 08277/08278 टिटिलागढ़-रायपुर-टिटिलागढ़ पैसेंजर स्पेशल 7 से 14 जून 2024 के बीच टिटिलागढ़ से और 8 से 15 जून 2024 के बीच रायपुर से रद्द रहेगी।

ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन

इसी प्रकार, 18190/18189 एर्नाकुलम-टाटा-एर्नाकुलम एक्सप्रेस 6 से 12 जून तक एर्नाकुलम से तथा 7 जून से 14 जून 2024 तक टाटा से दोनों दिशाओं से अपने निर्धारित मार्ग विजयनगरम-टिटिलागढ़-झारसुगुड़ा मार्ग के बजाय जारीली-जखापुरा-कटक-खोर्द्धा रोड-विजयनगरम मार्ग से चलेगी।

समय में बदलाव

06090 संतरागाछी-तांबरम एक्सप्रेस 30 मई को संतरागाछी से, 20896 भुवनेश्वर-रामेश्वरम एक्सप्रेस 31 मई को भुवनेश्वर से, 06222 मुजफ्फरपुर-मैसूर स्पेशल 30 मई को मुजफ्फरपुर से, 06104 डिब्रूगढ़-न्यू नागरकोइल स्पेशल 29 मई को डिब्रूगढ़ से, 09060 ब्रह्मपुर-सूरत स्पेशल 31 मई 2024 को ब्रह्मपुर से और 20917 इंदौर-पुरी एक्सप्रेस 11 जून को इंदौर से, 15028 गोरखपुर-संबलपुर एक्सप्रेस 6 से 13 जून तक गोरखपुर से, 22840 भुवनेश्वर-राउरकेला एक्सप्रेस 4 जून 2024 को भुवनेश्वर से प्रारंभिक स्टेशनों से न्यूनतम एक घंटे से अधिकतम दो घंटे 30 मिनट तक पुनर्निर्धारित की जाएगी।

अन्नपूर्णा थिएटर में 'अनागत' नाटक का हुआ मंचन

कटक, (संवाद सूत्र) : कटक बारपथर स्थित अन्नपूर्णा रंगमंच में अन्नपूर्णा-बी ग्रुप की ओर से प्रायोजित नाटक 'अनागत' का बुधवार को मंचन किया गया। भुवनेश्वर स्थित लावण्य थिएटर के कलाकारों ने इस नाटक को पेश किया। नाटक का निर्देशन प्रसिद्ध नाट्कार सत्य जेना ने किया। इस नाटक में पिंटू, गोविंद, टूटू, सुनील, सिप्रा और प्रतिमा ने अभिनय किया है। भ्रूण हत्या के विरोध के विषय को लेकर अनागत नाटक का प्रदर्शन किया गया। आज के समाज में आए दिन कन्या भ्रूण हत्या की जा रही है। इसके खिलाफ जनता में जागरुकता पैदा करने के लिए नाटक का मंचन किया गया। इसमें कलाकारों के अभिनय का काफी प्रशंसा हुई। इस अवसर पर रावेंशा विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर सिद्धार्थ भारद्वाज ने मुख्य अतिथि के रूप में नाटक का उद्घाटन किया और कहा कि

अन्नपूर्णा-बी ग्रुप का जन्म 1944 में कटक में हुआ था और यह अब तक लगातार नाटक कर रहा है। इसने नाटकों का मंचन कर कटक की संस्कृति को जीवित रखा है। कार्यक्रम का संचालन अन्नपूर्णा थिएटर के बी ग्रुप कार्यकर्ताओं ने किया। आरंभ में नृत्य कलाकार प्रवेश रथ ने एकल नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि मीक्ष डांस ग्रुप द्वारा गुरु सफीउल्ला हक के निर्देशन में आधुनिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन आहलादीन ने किया।

ओडिशा की उचित मांगों की केंद्र लगातार कर रहा उपेक्षा : बीजेडी

भुवनेश्वर, (निप्र) : बीजू जनता दल के राज्यसभा सांसद ममता महंत ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय शंख भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में केंद्र सरकार पर जमकर हमला किया। उन्होंने केंद्र सरकार पर ओडिशा की विभिन्न हकों की मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। महंत ने कहा कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक केंद्र से ओडिशा को विशेष दर्जा देने की मांग कर रहे हैं क्योंकि गरीबी से जूझ रहे ओडिशा को देश के अन्य राज्यों की तरह विकास प्रक्रिया में शामिल करने के लिए अधिक धन की आवश्यकता है। इसके लिए 2012 में बीजू जनता दल ने दिल्ली के रामलीला मैदान में एक विशाल रैली का आयोजन किया था। 2014 के आम चुनावों से पहले ओडिशा बीजेपी ने भी अपने चुनावी घोषणापत्र में ओडिशा को अलग राज्य का दर्जा देने का वादा किया था। लेकिन 10 साल से केंद्र में बीजेपी की सरकार है, लेकिन राज्य बीजेपी अब इस पर बात नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि इसी तरह, राज्य सरकार ने ओडिशा के लाखों किसानों के विशेष सुधार के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं, लेकिन केंद्र सरकार नहीं चाहती कि ओडिशा के किसानों का भला हो। 2018 में स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के अनुसार धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2930 रुपये प्रति क्विंटल तक बढ़ाने के लिए विधानसभा में सभी दलों द्वारा एक प्रस्ताव पारित किया गया था। 5 साल बाद भी केंद्र की मोदी सरकार बिना कुछ किए ओडिशा के किसानों को धोखा दे रही है। ओडिशा सरकार की सफल कृषि नीति और किसानों की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के कारण ओडिशा अब देश का चौथा सबसे बड़ा धान उत्पादक राज्य बन गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत ओडिशा के 80 लाख किसानों का पूरा प्रीमियम राज्य सरकार भर रही है। लेकिन केंद्र सरकार के परामर्श से बीमा कंपनियां ओडिशा के किसानों का बकाया राशि समय पर नहीं दे रही हैं। केंद्र की बीजेपी सरकार ने 2022 तक देश के किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था। लेकिन केंद्र सरकार की किसान विरोधी नीतियों के कारण किसानों की आय बढ़ने की बजाय धीरे-धीरे किसानों की गरीबी की ओर धकेला दिया गया है। ममता ने कहा कि दूसरी ओर एमएमडीआर एक्ट के मुताबिक कोयले की रॉयल्टी को हर तीन साल में एक बार संशोधित करने का नियम है, लेकिन केंद्र ने वर्षों से रॉयल्टी में बढ़ोतरी नहीं की है। परिणामस्वरूप ओडिशा सरकार कोयले की रॉयल्टी के सैकड़ों करोड़ रुपये अपने हक पाने से वंचित हैं। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक इस संबंध में बार-बार केंद्रीय कोयला मंत्री को पत्र लिखते रहे हैं। बीजेडी सांसद इस मुद्दे को कई बार संसद में उठा चुके हैं। लेकिन केंद्र की मोदी सरकार ओडिशा को धोखा दे रही है। इसी तरह केंद्र सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा उपकर के संबंध में ओडिशा से 60 हजार करोड़ रुपये एकत्र किए, जिसमें से ओडिशा को एक भी रुपये का भुगतान नहीं किया है। ममता ने कहा कि केंद्र सरकार की भेदभाव वाली नीति के कारण बैंकिंग सेवाओं, दूरसंचार और इंटरनेट कनेक्टिविटी तक पहुंच के मामले में ओडिशा अन्य राज्यों से काफी पीछे है। राज्य की लगभग आधी ग्राम पंचायतों में बैंक शाखाएं नहीं होने के कारण सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को धन प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह देश में औसत दुरसंचार घनत्व 85 प्रतिशत है, जबकि ओडिशा में यह 75 प्रतिशत तक सीमित है। राज्य के 6,278 गांवों में अभी भी मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। महंत ने कहा कि बढ़ते महंगाई के मुद्दे कर 2014 में बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार केंद्र में सत्ता में आई थी। लेकिन सरकार में आने के बाद बीजेपी महंगाई रोकने बजाय पूरे देश में दाल, चावल, आटा, तेल, पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस आदि दैनिक उपयोगी सामग्री के दाम दुगुना कर दिया। इसके प्रभाव से हर घर के रसोई घर अस्र पड़ा, लेकिन केंद्र सरकार महंगाई पर काबू पाने में पूरी तरह विफल रही है। वहीं दूसरी ओर देश की गरीब महिलाओं को चूल्हे के धुएं से होने वाले हानिकारक प्रभाव से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने धूमधाम से उज्ज्वला योजना शुरू की। लेकिन जब से केंद्र सरकार ने गैस सिलेंडर की कीमत में लगभग 300 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, देश भर में उज्ज्वला योजना अब एक अंधेरी योजना में बदल गई है। महंत ने कहा कि इसी तरह महानदी मामले में केंद्र सरकार द्वारा ओडिशा को न्याय दिलाने के बजाय छत्तीसगढ़ का पक्ष लेने के कारण ओडिशा को ट्रिब्यूनल की मदद लेनी पड़ी है। दूसरी ओर ओडिशा के महान जननायक बीजू पटनायक को भारत रत्न देने की मांग को नजरअंदाज करते रहे हैं। केंद्र की मोदी सरकार ओडिशा के हक को नजरअंदाज कर रही है, जबकि चुनाव के दौरान ओडिशा के लोगों के वोट पाने के लिए तरह-तरह के वादे कर रही है। बीजेपी झूठे वादे कर लोगों को गुमराह कर रही है। ओडिशा को जनता बीजेपी की दोहमुंहा नीति से भली-भांति परिचित है। इसलिए ओडिशा की जनता इस चुनाव में बीजेपी को खारिज कर देगी। बीजू जनता दल की भारी जीत होगी और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक छठी बार राज्य की कमान संभालेंगे। संवाददाता सम्मेलन में बीजेडी प्रवक्ता तथा मीडिया समन्वयक डा प्रियव्रत माझी उपस्थित थे।

रसोई गैस लीक होने से लगी आग, एक घायल

छत्रपुर, (संवाद सूत्र) : छत्रपुर ब्लॉक के महानादपुर गांव में मल्ला बेहरा के घर में आग लगने से लाखों रुपये की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। गौरतलब है कि मल्ला की पत्नी सुकांति गुरुवार की सुबह गैस से खाना बना रही थी तभी गैस लीक हो गई और आग लग गई। इस अगलगी में सुकांति आग से आंशिक रूप से जल गई है। इसके साथ ही घर की टीवी, फर्नीचर, कपड़े, ढाई तोला सोने के आभूषण और नकदी रुपये जलकर नष्ट हो गये। मामले की सूचना मिलने पर छत्रपुर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग को नियंत्रित किया। मल्ला के गरीब होने के कारण ग्रामीणों ने सरकारी सहायता की मांग की है।

चुनाव प्रचार खत्म होने से पहले बीजेडी ने निकाली पदयात्रा

बालेश्वर, (संवाद सूत्र) : गुरुवार शाम को बालेश्वर जिले में चुनाव प्रचार खत्म हो गया है। गुरुवार शाम से पहले दोपहर को बालेश्वर सदर निर्वाचन क्षेत्र में बीजेडी उम्मीदवार स्वरूप दास और लोकसभा सीट के बीजेडी उम्मीदवार डॉ लेखाश्री सामंत सिंहार ने पदयात्रा निकाल कर शहर का परिक्रमा कर लोगों से बीजेडी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस पदयात्रा में बीजेडी के सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे। यह पदयात्रा शहर के मोतीगंज बाजार, टाउन थाना चौक, सिनेमा बाजार, फर्पडी चौक, स्टेशन चौक, आईटीआई

चौक, भोइसाही, मठ साही, माकलपुर होते हुए, गोला पोखरी चौक पहुंच कर संपन्न हो गया। इस पदयात्रा का नेतृत्व नगरपालिका के उपाध्यक्ष कैलाश सेठी, पार्षद मीना मोहंती, शेख शिबू, उत्तर ओडिशा के मीडिया कार्यकारी भीरेन नायक, पूर्व उपाध्यक्ष मनोज राउत, शेख शकीर, नगर अध्यक्ष सनत दास, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रंजन बाथ ने किया। इस अवसर पर सांसद पद के उम्मीदवार लेखाश्री और विधानसभा पद के उम्मीदवार स्वरूप सास ने लोगों से कहा कि हम तीन वर्षों से नवीन पटनायक के नेतृत्व में सदर निर्वाचन क्षेत्र में विकास का कार्य कर रहे हैं। आप हमारे दिलों में रहते हैं। हमें विश्वास है कि आप सब इस बार भी शंख चिह्न पर मतदान करेंगे। नवीन पटनायक ओडिशा के सर्वसम्मान नेता हैं। ओडिशा में उन्हें चुनौती देने वाला कोई विपक्षी नेता नहीं है।

कई समस्याओं से जूझ रहे हैं वार्ड नंबर-59 के लोग

कटक, (संवाद सूत्र) : कटक नगर निगम के वार्ड नंबर-59 के लोग कई सारी समस्याओं से जूझ रहे हैं। यह समस्या खासकर साही बस्तियों में दिख रही है। बारिश का पानी और कूड़ा-कचरा फैला रहना शहर की मुख्य समस्याओं में से हैं। लोगों का कहना है कि चुनाव के दौरान सत्ता पक्ष से लेकर विपक्षी दल तक ने वादा किया था कि कटक शहर की समस्याओं पर ध्यान दिया जायेगा, लेकिन कब होगा यह देखना बाकी रहे। लोगों ने कहा कि बारिश का पानी यहां एक वास्तविक सिरदर्द है। कुछ दिनों बाद मानसूनी हवा प्रवेश करेगी। मानसूनी हवा आने से पहले शहर के छोटे-बड़े नालों को बारिश और कचरे से निजात नहीं मिल सकी है। वहीं प्रभात सिनेमा हॉल से छत बाजार तक बाक्स ड्रेन से कचरा संग्रहण और सीवेज निपटान के मामले में समस्या है। नालियां जाम होने के कारण बारिश का पानी नहीं निकल पाता है। वहीं दूसरी ओर स्वच्छ पेयजल के अभाव में लोग विभिन्न बीमारियों से ग्रसित हो जाते हैं, लेकिन इस ओर सीएमसी का कोई ध्यान नहीं है। क्षेत्र के कुछ निवासियों की शिकायत है कि जल निकासी व्यवस्था के साथ पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सामान्य करना संभव नहीं है। इसी तरह शहर की सड़कों से लेकर मुख्य सड़कों तक कूड़ा-कचरा फैला रहने से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। लोगों की शिकायत है कि निजी कंपनियों द्वारा नियमित रूप से सफाई कार्य नहीं किया जा रहा है। साथ ही आरोप है कि कटक के निचले इलाकों में घटिया पेयजल आपूर्ति व्यवस्था है। इसी तरह सरकार की अमृत योजना के विज्ञापं गई नई पाइपलाइनों में भी कभी-कभी गंदे नाले का पानी घुस जाता है जिससे लोग तरह-तरह की बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। इसलिए शहरवासी गंदगी से निजात दिलाने और स्वच्छ वातावरण व स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने की मांग कर रहे हैं। अब आलन-फालन में शहर के अलग-अलग इलाकों के नालों की सफाई की गई और नालों को निकालकर सड़क पर जमा कर दिया गया। परिणाम स्वरूप जब बारिश हो तो वह अशुद्ध पानी पर्यावरण को दूषित करेगा।

जाजपुर लोकसभा क्षेत्र : बीजेडी से गढ़ छीनने की फिराक में बीजेपी

भुवनेश्वर, (निप्र) : राज्य में अंतिम और चौथे चरण का मतदान 1 जून को होगा। जाजपुर में पार्टियों का भुवांधार चुनाव प्रचार हुआ। जाजपुर लोकसभा सीट और इसके अंतर्गत 7 विधानसभा सीटों पर मुख्य रूप से त्रिकोणीय मुकाबला है, लेकिन बीजेपी और बीजेडी के बीच कड़ी टक्कर है। बीजेडी के कई दिग्गज नेता जिले के प्रभारी हैं। बीजेपी की ओर से केंद्रीय नेता और प्रभारी जाजपुर में डेरा डाले हुए हैं। इस बार जाजपुर लोकसभा सीट के लिए बीजेडी की शर्मिष्ठा सेठी, भाजपा के रवीन्द्र नारायण बेहरा और कांग्रेस के अंचल दास एक-दूसरे के सामने हैं। जाजपुर जिले को बीजेडी का गढ़ कहा जाता है, वहीं बीजेपी मोदी की गारंटी का इस्तेमाल कर इस

गढ़ को ध्वस्त करने की कोशिश कर रही है। इसके अलावा बीजेपी जाजपुर लोकसभा क्षेत्र के कई विधानसभा सीटों पर कड़ी टक्कर दे रही है। चुनावी मैदान में दिग्गज नेता और सिने हस्तियां कूदे हैं। कोरेई में अभिनेता और भाजपा उम्मीदवार आकाश दास नायक और बड़चना में अभिनेत्री और बीजेडी उम्मीदवार वर्षा प्रियदर्शिनी चुनाव लड़ रही हैं। वहीं आकाश की धर्मपत्नी अपने पति के लिए प्रचार कर रही है। कोरेई में आकाश को बीजेडी संगठन सचिव प्रणव प्रकाश दास की मां संध्यारानी जोरदार टक्कर दे रही हैं। उनके दोनों बेटे बॉबी और भव प्रकाश उनके लिए प्रचार करने उतरे हैं। सुकिंदा में बीजेडी उम्मीदवार प्रीतिरंजन घड़ेई और बीजेपी के प्रदीप बलसामंत के बीच कड़ी टक्कर होने वाली है, वहीं पिता प्रफुल्ल घड़ेई अपने बेटे प्रीति रंजन के लिए वोट भीख मांग रहे हैं। जाजपुर की जनता 1 जून को अंतिम चरण के लिए मतदान करेगी। जनता किसे स्वीकार करेगी यह 4 जून को पता चलेगा।

MCL महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
(मीनि इनिकेश लिमिटेड की एक अनुषंगी कम्पनी)
जागृति विहार, बुर्ला, जिला-संबलपुर, ओडिशा
दूरभाष (0663)2582-2583 & 4D, फैक्स : 2582-2584, Website: www.mahanadicoal.in

सूचना

"सामग्रियों की खरीद कार्यों एवं सेवाओं के लिए सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/सम्बंधित अनुषंगी कम्पनी (एमसीएल, www.mahanadicoal.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है या इसके अतिरिक्त, जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीद की जाती है।"

R-5210

सार्वजनिक विज्ञप्ति

रेलवे सुरक्षा आयुक्त, दक्षिण पूर्व क्षेत्र दिनांक 31.05.2024 को चक्रधरपुर मंडल के नयागाँव-बांगुरकेला के बीच नव निर्मित दोहरी लाइन का निरीक्षण करेंगे

एतद्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त, दक्षिण पूर्व क्षेत्र, खड़गपुर चक्रधरपुर मंडल के नयागाँव-बांगुरकेला के बीच नव निर्मित दोहरी लाइन को खोलने के लिए **दिनांक 31.05.2024** को उसका निरीक्षण करेंगे। **दिनांक 31.05.2024** को इंजीनियरिंग स्पेशल, मोटर ट्रॉलियाँ, ट्रक ट्रॉलियां इत्यादि द्वारा आवश्यक निरीक्षण तथा इंजीनियरिंग स्पेशल द्वारा यांत्रिक निरीक्षण किया जाएगा। उक्त प्रयोगकर्ताओं, स्थानीय जनता एवं अन्य प्रयोगकर्ताओं को एतद्द्वारा इस विज्ञप्ति को ध्यान में रखते हुए लाइन पार करते समय पर्याप्त सुरक्षा संबंधी सावधानी बरतने तथा आतिक्रमण से बचने की सलाह दी जाती है।

(PR-203) मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), गार्डनरीच

दक्षिण पूर्व रेलवे
गुलामी के बाद गौरव